सच्ची वीरता (प्रेरक प्रसंग)

(घ) निमनलखिति प्रश्नों के उत्तर लखिए-

अतलिघूत्तरीय प्रश्न-

1. मंसूर को सूली पर क्यों चढ़ना पड़ा?

Ans:- मंसूर को सूली पर चढ़ना पड़ा क्योंकि उन्होंने **"अहं ब्रह्मास्मा"** (मैं ब्रह्म हूँ) का उद्घोष किया, जो उनके समय में विवादास्पद था।

2. वीरता का भाव हममें प्रायः चरिस्थायी क्यों नहीं हो पाता है?

Ans:- वीरता का भाव चरिस्थायी नहीं हो पाता क्योंकि डर, असमर्थता, और परिस्थितियाँ व्यक्ति को साहस दिखाने से रोक देती हैं।

लघूत्तरीय प्रश्न-

1. सच्चे वीर पुरुषों में क्या वशिषता पाई जाती हैं?

Ans:- सच्चे वीर पुरुषों में **धैर्य, साहस, निष्ठा, समर्पण, आत्मविश्वास** और **समाज के प्रति जिम्मेदारी** की विशेषताएँ पाई जाती है।

2. बागी गुलाम ने बादशाह के समक्ष वीरता का प्रदर्शन किस प्रकार किया?

Ans:- बागी गुलाम ने बादशाह के समक्ष वीरता का प्रदर्शन **साहसपूर्वक, अपनी जान की परवाह किए बिना** लड़कर, स्वतंत्रता और सम्मान के लिए संघर्ष किया।

3. राजा लोग प्रायः कसि प्रकार के लोगों को अपने वश में रखते थे?

Ans:- राजा लोग प्रायः **स्वार्थी, डरपोक और अत्यधिक अधिकारप्रयि** व्यक्तियों को अपने वश में रखते थे, जो अपने व्यक्तिगित लाभ के लिए राजा के आदेशों का पालन करते थे और विरोध नहीं करते थे।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न -

1. वीरता क्या है और यह किस प्रकार प्रकट होती है?

Ans:- वीरता **साहस, बल, और निर्भीकता** का परिचायक है, जो कठिन परिस्थितियों में सत्य, धर्म और न्याय के लिए लड़ा जाता है। यह **शरीरिक, मानसिक**, और **आध्यात्मिक** रूप में प्रकट होती है।

2. वीरों के जीवन को लेखक ने ईश्वरीय जीवन क्यों कहा है?

Ans:- लेखक ने वीरों के जीवन को **ईश्वरीय जीवन** इसलिये कहा क्योंकि वे **निस्वार्थ भाव**, **धर्म** और **मानवता के प्रति निष्ठा** से अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं, जो ईश्वर की सेवा जैसा होता है।

3. लेखक ने वीरों को देवदार के वृक्षों के समान क्यों कहा?

Ans:- लेखक ने वीरों को **देवदार के वृक्षों** के समान इसलिए कहा क्योंकि जैसे देवदार के वृक्ष **मजबूत, स्थरि और** शाश्वत होते हैं, वैसे ही वीर भी **साहसकि, दृढ़ और प्रेरणादायक** होते हैं।

4. वह वीर क्या जो टीन के बर्तन की तरह झट-से-गर्म और ठंडा हो जाता है। स्पष्ट कीजिए।

Ans:- वह वीर टीन के बर्तन की तरह होता है जो जल्दी गर्म और ठंडा हो जाता है। इसका मतलब है कि ऐसे वीर में भावनाओं में उतार-चढ़ाव होते हैं, जो स्थिर नहीं रहते।